

बचपन

कृष्णा सोबती



मुख्य बिंदु

लेखिका अपने बचपन की बातें,
शिमला के माल रोड़ और प्रसिद्ध
चीज़ों को बताया गया है।

पाठ में तुलनात्मक अध्ययन
करना बताया गया है। जैसे—
पहले समोसा अब पेट्टीस है।

पाठ में तुलनात्मक अध्ययन
करना बताया गया है। जैसे—
पहले समोसा अब पेट्टीस है।

बचपन से ही काम
स्वयं करना सिखाया
गया है।

लेखिका के भाई उन्हें
लंगूर कहकर चिढ़ाते थे।

पाठ का सार

बचपन पाठ एक 'संस्मरण' है। लेखिका ने अपनी उम्र बताने के लिए पहेली का प्रयोग करते हुए पाठ की मनोरंजक शुरूवात की है। वो उम्र के साथ रंग और पहनावे में होने वाले बदलाव को बताती हैं। अपने बचपन से ही काम करने की आदत के बारे में बताते हुए हॉस्टल के दिनों की चर्चा करती हैं कि कैसे शनिवार और रविवार की सुबह कैस्टर और ऑलिव ऑयल पीना पड़ता था। उनके समय और आज के समय के मनोरंजन और खानपान के विषय में हुए बदलाव की तुलना करती हैं। अपनी पसंद और शिमला के फलों के बारे में भी बात करती हैं। अपने बचपन की बाल सुलभ चंचलता जैसे भाइयों का 'लंगूर' कहकर चिढ़ाना भी बताती है।